नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविद्यालय में अभिविन्यास पाठ्यक्रम का समापन

समाज को बदलने का संकल्प लें शिक्षक – कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र

वर्धा, 12 जून 2018: ज्ञान का प्रसार बड़ा और महत्वपूर्ण कार्य है। देश और समाज कैसा बनाना है यह शिक्षकों पर ही निर्भर है। समाज की दिशा को बदलने की क्षमता और शक्ति शिक्षकों में है। उन्हें समाज को बदलने का संकल्प लेकर भविष्य के व्यक्ति का निर्माण करना चाहिए। उक्त विचार महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने व्यक्त किये। वे विश्वविद्यालय में हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, पंडित मदन मोहन मालवीय शिक्षक एवं

शिक्षण अभियान, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत संचालित विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में 14 मई से 10 जून तक आयोजित अभिविन्यास पाठ्यक्रम के समापन कार्यक्रम में अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। रविवार, 10 जून को अकादमिक भवन के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता

विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलपति श्री जगदिश उपासने उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, कुलसचिव प्रो. कृष्ण कुमार सिंह, कार्यक्रम संयोजक डॉ. शिरीष पाल सिंह मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजय तिवारी ने किया तथा आभार डॉ. शिरीष पाल सिंह ने माना। इस अवसर अतिथियों के हाथों पाठ्यक्रम में शामिल अध्यापकों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

मुख्य अतिथि श्री जगदिश उपासने ने कहा कि सर्जनशील कार्य करना अध्यापकों का काम है। उन्होंने कहा कि चुनौतियों को स्वीकार कर सफलता पाने के लिए अध्यापकों को कड़ी मेहनत करनी चाहिए। कार्यक्रम में प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा और कुलसचिव प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने भी मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर श्री जगदिश उपासने का कुलपति प्रो. मिश्र की ओर से स्मृति चिन्ह, शॉल एवं सूत की माला प्रदान कर स्वागत किया।